IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 1 of 42 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

ignou
THE PEOPLE'S
UNIVERSITY

एमपीएसई-006

(हिन्दी माध्यम)

FROM PREVIOUS YEAR PAPER's

IMPORTANT QUESTION ANSWER's

Guess Paper / Exam Notes

By India's No.1 - Mother Publication

FOR MORE PDF 9485943709

Disclaimer for Guess / Sample Paper By MOTHER NOTES- 8529719732, 99922-90905: -

This PDF contains sample papers compiled from previous years' questions of the IGNOU It is intended to provide you with a general idea of the paper format and may cover some potential questions. However, it is important to note the following:

1. **No Guarantee of Exam Questions:** We do not guarantee that the questions presented in this sample paper will appear in your actual exams. The content is for practice purposes only.
2. **Book Study Recommended:** To achieve good marks in your IGNOU exams, it is highly recommended that you thoroughly study the prescribed course materials and textbooks. Relying solely on this sample paper may not be sufficient for exam success.
3. **Use as a Study Aid:** Use this sample paper as a supplementary study aid to test your knowledge and exam preparedness.
4. **Self-Responsibility:** Your performance in exams is your responsibility, and success depends on your dedication to studying the course material.

We wish you the best of luck with your IGNOU exams. Thank you for using this sample paper as part of your preparation. **By MOTHER NOTES- 8529719732, 99922-90905**

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 2 of 42 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

खंड-I

10 अंकों के प्रश्न - प्रत्येक 400-500 शब्द

प्रश्न - "युद्ध एक संस्था है।" क्या आप सहमत हैं?

उत्तर- "युद्ध एक संस्था है" यह कथन बताता है कि युद्ध केवल हिंसा का एक सामयिक प्रकोप नहीं है, बल्कि एक संरचित, स्वीकृत और ऐतिहासिक रूप से सतत सामाजिक प्रथा है। कई विद्वानों का तर्क है कि युद्ध एक संस्था की तरह व्यवहार करता है क्योंकि यह समय के साथ समाजों द्वारा संगठित, वैध और सतत होता है। हालाँकि, कुछ अन्य लोग युद्ध को एक संस्था के बजाय संस्थाओं की विफलता मानते हैं। दोनों पक्षों का मूल्यांकन करने से एक संतुलित समझ मिलती है।

एक संरचित और स्थायी संस्था के रूप में युद्ध

युद्ध मानव इतिहास में, जनजातीय संघर्षों से लेकर आधुनिक राष्ट्र-राज्य युद्धों तक, मौजूद रहा है। इसकी निरंतरता दर्शाती है कि समाजों ने बार-बार युद्ध को औपचारिक और अनुष्ठानिक रूप दिया है, जिससे इसे संस्थागत विशेषताएँ मिली हैं। पहला, युद्ध नियमों द्वारा शासित होता है। जिनेवा कन्वेंशन जैसे अंतर्राष्ट्रीय कानून युद्ध के दौरान आचरण को नियंत्रित करते हैं, ठीक उसी तरह जैसे संस्थाएँ मानदंड और संहिताएँ विकसित करती हैं। यहाँ तक कि प्राचीन युद्धों में भी अनुष्ठान, युद्ध के नियम और योद्धाओं की सामाजिक भूमिकाएँ होती थीं।

दूसरा, युद्ध में संगठित ढाँचे शामिल होते हैं। राज्य स्थायी सेनाएँ, रक्षा मंत्रालय और नौकरशाही तंत्र बनाए रखते हैं ताकि संघर्ष की योजना बनाई जा सके, उसे वित्तपोषित किया जा सके और उसे उचित ठहराया जा सके। सैन्य संस्थाएँ व्यक्तियों को प्रशिक्षित करती हैं, उनकी पहचान गढ़ती हैं और पदानुक्रम बनाती हैं। इससे पता चलता है कि युद्ध अराजक या पूरी तरह से स्वतःस्फूर्त होने के बजाय संस्थागत ढाँचों के भीतर संचालित होता है।

तीसरा, युद्ध को संस्कृति और विचारधारा द्वारा वैध ठहराया जाता है। समाज अक्सर सैनिकों का महिमामंडन करते हैं, जीत का जश्न मनाते हैं, और सम्मान और देशभक्ति के आख्यान गढ़ते हैं। ये सांस्कृतिक प्रतिमान युद्ध को विवादों को सुलझाने या मूल्यों की रक्षा के एक वैध साधन के रूप में प्रस्तुत करके उसे संस्थागत रूप देते हैं। आधुनिक समय में भी, राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी विमर्श भारी रक्षा खर्च और सैन्य तैयारियों को उचित ठहराता है, जो युद्ध की गहरी सामाजिक अंतर्निहितता को दर्शाता है ।

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 3 of 42 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

प्रतिवाद: संस्थाओं के पतन के रूप में युद्ध

अपनी संरचित प्रकृति के बावजूद, कई लोग तर्क देते हैं कि युद्ध को एक संस्था नहीं माना जाना चाहिए। संस्थाएँ आमतौर पर स्थिरता, सहयोग और व्यवस्था को बढ़ावा देती हैं, जबकि युद्ध कूटनीति, शासन और शांतिपूर्ण वार्ता के पतन का प्रतिनिधित्व करता है। इस दृष्टिकोण से, युद्ध तब उत्पन्न होता है जब संस्थाएँ संघर्षों का रचनात्मक प्रबंधन करने में विफल हो जाती हैं।

युद्ध में सकारात्मक सामाजिक उद्देश्य का भी अभाव होता है जो आमतौर पर संस्थाओं से जुड़ा होता है। शिक्षा, कानून और पारिवारिक व्यवस्थाएँ समाज का निर्माण करती हैं, जबकि युद्ध जीवन, बुनियादी ढाँचे और अर्थव्यवस्थाओं को नष्ट कर देता है। इसकी अप्रत्याशितता और विनाश यह दर्शाते हैं कि यह एक विचलन है, न कि एक स्थिर संस्था।

इसके अलावा, बढ़ता अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, मज़बूत वैश्विक शासन निकाय और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रसार युद्ध की अनिवार्यता को चुनौती देते हैं। शांतिपूर्ण विवाद समाधान तंत्र दर्शाते हैं कि युद्ध आवश्यक नहीं, बल्कि रोका जा सकता है।

निष्कर्ष

युद्ध एक संस्था की कई विशेषताओं को प्रदर्शित करता है—संगठन, नियम, निरंतरता और सामाजिक वैधता। फिर भी, इसे शांति बनाए रखने के लिए बनी संस्थाओं की विफलता के रूप में भी समझा जा सकता है। इस प्रकार, यद्यपि युद्ध ऐतिहासिक और समाजशास्त्रीय दृष्टि से एक संस्था की तरह कार्य करता है, फिर भी यह एक अवांछनीय और विनाशकारी संस्था बनी रहती है। एक परिपक्व वैश्विक समाज को शांतिपूर्ण संस्थाओं को मज़बूत करने का प्रयास करना चाहिए ताकि युद्ध संस्थागत होने के बजाय अप्रचलित हो जाए।

प्रश्न - "अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के निर्माण ने विश्व को विश्व सरकार के मॉडल के करीब ला दिया।" चर्चा करें।

उत्तर- **अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का गठन और विश्व सरकार का विचार**

संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत 1945 में **अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (ICJ)** की स्थापना एक अंतर्राष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था के निर्माण में एक महत्वपूर्ण कदम थी। हालाँकि यह एक विश्व सरकार का निर्माण नहीं करता, लेकिन संप्रभु राज्यों के बीच नियम-आधारित विवाद समाधान को संस्थागत रूप देकर यह वैश्विक समुदाय को **ऐसे मॉडल के करीब लाता** है। ICJ वैश्विक शासन के सिद्धांतों—न्याय, कानून के समक्ष समानता और शांतिपूर्ण संघर्ष समाधान—को मूर्त रूप देता है, हालाँकि कुछ महत्वपूर्ण सीमाएँ इसे एक सच्ची विश्व सरकार बनने से रोकती हैं।

विश्व सरकार की ओर एक कदम के रूप में आईसीजे

1. वैश्विक कानून के शासन का संस्थागतकरण

अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) से पहले, राष्ट्रों के बीच विवादों का निपटारा करने के लिए कोई स्थायी न्यायिक निकाय नहीं था। ICJ ने एक ऐसा ढाँचा तैयार किया जिसके अंतर्गत:

- राज्य विवादों को निष्पक्ष प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं,
- अंतर्राष्ट्रीय कानूनी मानदंडों को स्पष्ट और मजबूत किया जा सकता है,
- एकतरफा बल प्रयोग का स्थान शांतिपूर्ण समाधान ने ले लिया।

इससे यह विचार प्रबल हुआ कि राज्य भी राष्ट्रीय सरकार के अधीन नागरिकों की तरह *सामान्य कानूनों के प्रति जवाबदेह हैं।*

2. अंतर्राष्ट्रीय कानून का संहिताकरण और विकास

अपने निर्णयों और सलाहकारी राय के माध्यम से, आईसीजे निम्नलिखित में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है:

- संधियों की व्याख्या करना,
- प्रथागत अंतर्राष्ट्रीय कानून को परिभाषित करते हुए,
- संघर्ष, पर्यावरण और मानव अधिकारों में कानूनी जिम्मेदारियों को स्पष्ट करना।

FOR MORE PDF-9485943709

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 4 of 42 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

यह सरकार के विधायी और न्यायिक कार्यों को प्रतिबिंबित करता है, तथा धीरे-धीरे एक एकीकृत कानूनी व्यवस्था को आकार देता है।

3. सामूहिक सुरक्षा को बढ़ाना

अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) संयुक्त राष्ट्र की सामूहिक सुरक्षा प्रणाली का समर्थन करता है और तनाव को बढ़ने से रोकने के लिए एक कानूनी तंत्र प्रदान करता है। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय द्वारा निपटाए गए विवाद स्थिरता में योगदान करते हैं और युद्ध की संभावना को कम करते हैं - जो किसी भी सरकार का एक अनिवार्य कार्य है।

सीमाएँ: ICJ अभी भी विश्व सरकार क्यों नहीं है?

1. अधिकार क्षेत्र राज्य की सहमति पर निर्भर करता है

अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय राज्यों को अपने समक्ष उपस्थित होने के लिए बाध्य नहीं कर सकता, जब तक कि वे स्वेच्छा से उसके अधिकार क्षेत्र को स्वीकार न करें। यह सरकारी अदालत के विपरीत है, जिसका अपने नागरिकों पर स्वतः ही अधिकार क्षेत्र होता है।

2. प्रवर्तन तंत्र का अभाव

अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय अपने निर्णयों को स्वतंत्र रूप से लागू नहीं कर सकता। प्रवर्तन निम्नलिखित पर निर्भर करता है:

- राज्यों द्वारा स्वैच्छिक अनुपालन,
- सुरक्षा परिषद की कार्रवाई - जहां वीटो शक्तियां उपायों को अवरुद्ध कर सकती हैं।

इस प्रकार, राजनीतिक समर्थन के बिना आईसीजे के निर्णय प्रतीकात्मक ही रह सकते हैं।

3. गैर-राज्य अभिनेताओं का बहिष्कार

एक सच्ची विश्व सरकार व्यक्तियों पर शासन करेगी। हालाँकि, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय केवल राज्यों के बीच के विवादों को ही निपटाता है और व्यक्तियों या निगमों पर मुकदमा नहीं चलाता।

निष्कर्ष

अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) के गठन ने वास्तव में दुनिया को एक *नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के करीब पहुँचाया* , जो एक विश्व सरकार के पहलुओं से मिलती-जुलती थी। इसने राज्यों से ऊपर कानूनी अधिकार को संस्थागत रूप दिया और शांतिपूर्ण सहयोग को बढ़ावा दिया। हालाँकि, राज्य की सहमति पर इसकी निर्भरता, सीमित अधिकार क्षेत्र और प्रवर्तन का अभाव इसे एक पूर्ण विश्व सरकार की न्यायिक शाखा बनने से रोकता है। इसलिए, यह **वैश्विक शासन की ओर एक कदम है, लेकिन स्वयं एक विश्व सरकार नहीं है** ।

FOR MORE PDF-9485943709

ALL SOLVED ASSIGNMENT, GUESS PAPER, PROJECT -
HAND WRITTEN SCAN PDF, HARDCOPY BY POST
ORDER- ON WHATSAPP MSG- 8529719732, 99922-90905
OR VISIT- motherpublication.in / mothernotes.in

प्रश्न - विश्व में शांति आंदोलनों के विकास का पता लगाएं।

उत्तर- **विश्व में शांति आंदोलनों का विकास**

शांति आंदोलन सदियों से युद्ध को रोकने, निरस्त्रीकरण को बढ़ावा देने और राष्ट्रों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने के संगठित प्रयासों के रूप में विकसित हुए हैं। ये आंदोलन राजनीतिक संघर्षों, वैश्विक युद्धों और सामाजिक परिवर्तनों की प्रतिक्रिया में विकसित हुए, और धीरे-धीरे शांति के लिए एक वैश्विक चेतना को आकार दिया।

प्रारंभिक नींव (19 वीं शताब्दी)

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 5 of 42 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

आधुनिक शांति आंदोलन 19 वीं सदी के आरंभ में शुरू हुए। नेपोलियन युद्धों से हुई तबाही ने बुद्धिजीवियों, धार्मिक समूहों और समाज सुधारकों को संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान की माँग करने के लिए प्रोत्साहित किया। पहली संगठित शांति समितियाँ 1810 और 1820 के दशक के आसपास संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन में स्थापित की गईं। ये समूह राज्यों के बीच मध्यस्थता, हथियारों में कमी और युद्ध को नैतिक रूप से गलत मानने के सिद्धांत की वकालत करते थे। इमैनुएल कांट जैसे विचारकों ने भी शाश्वत शांति के विचारों से इस वैचारिक आधार को प्रभावित किया।

अंतर-युद्ध और प्रथम विश्व युद्ध के बाद के आंदोलन

प्रथम विश्व युद्ध की भयावहता एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। लाखों लोगों की हताहती के कारण व्यापक युद्ध-विरोधी भावनाएँ भड़क उठीं। राष्ट्र संघ की स्थापना भविष्य के युद्धों को रोकने के उद्देश्य से पहले सामूहिक सुरक्षा संगठन के रूप में हुई, जो अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की बढ़ती माँग को दर्शाता है। इस दौरान, महिला शांति संगठन भी प्रभावशाली हुए, जैसे कि 1915 में स्थापित महिला अंतर्राष्ट्रीय शांति और स्वतंत्रता संघ (WILPF)। युद्ध-पूर्व शांति आंदोलनों ने निरस्त्रीकरण सम्मेलनों का समर्थन किया और सैन्यवाद के विरुद्ध अभियान चलाया, हालाँकि उन्हें द्वितीय विश्व युद्ध को रोकने में भी संघर्ष करना पड़ा।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद और शीत युद्ध युग

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, वैश्विक शांति प्रयासों में तेज़ी आई। 1945 में संयुक्त राष्ट्र का गठन शांति और संघर्ष समाधान की दिशा में एक प्रमुख संस्थागत कदम था। शीत युद्ध (1947-1991) ने शक्तिशाली शांति आंदोलनों को जन्म दिया, खासकर जब परमाणु विनाश का खतरा वास्तविक हो गया। ब्रिटेन में परमाणु निरस्त्रीकरण अभियान (सीएनडी) और वैश्विक "बम प्रतिबंध" आंदोलन ने परमाणु परीक्षण और भंडारण को समाप्त करने की मांग की। शांति कार्यकर्ताओं ने 1960 और 1970 के दशक में वियतनाम युद्ध के विरुद्ध जनमत को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे युद्ध-विरोधी विरोध एक वैश्विक परिघटना बन गया।

समकालीन शांति आंदोलन (1990 के दशक से वर्तमान तक)

शीत युद्ध की समाप्ति के साथ, शांति आंदोलनों ने युद्ध-विरोधी प्रदर्शनों से आगे बढ़कर अपना दायरा बढ़ाया। मानवाधिकार, पर्यावरण न्याय और अहिंसक संघर्ष समाधान जैसे नए विषय उभरे। 1997 में नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाले "अंतर्राष्ट्रीय बारूदी सुरंग प्रतिबंध अभियान" जैसे आंदोलनों ने प्रमुख नीतिगत सफलताएँ हासिल कीं। 21 वीं सदी में, इराक युद्ध (2003) के विरुद्ध वैश्विक विरोध प्रदर्शन इतिहास के सबसे बड़े समन्वित शांति प्रदर्शनों में से एक बन गया। आज, शांति आंदोलन आतंकवाद, जातीय संघर्ष, शरणार्थी संकट और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों को भी संबोधित करते हैं, और परस्पर जुड़ी वैश्विक सुरक्षा पर ज़ोर देते हैं।

कुल मिलाकर, शांति आंदोलन छोटे नैतिक अभियानों से विकसित होकर व्यापक, वैश्विक नेटवर्क बन गए हैं, जो स्थायी शांति के लिए अंतर्राष्ट्रीय नीति और सार्वजनिक चेतना को आकार दे रहे हैं।

प्रश्न - शांति लाने के संदर्भ में नागरिक समाज के महत्व पर चर्चा करें।

उत्तर- किसी भी समाज में शांति को बढ़ावा देने, उसे बनाए रखने और उसे गहरा करने में नागरिक समाज की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसमें गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), सामुदायिक समूह, धार्मिक संगठन, पेशेवर संघ, युवा समूह और नागरिक आंदोलन शामिल हैं जो सरकार और निजी क्षेत्र से स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। शांति निर्माण में उनका योगदान महत्वपूर्ण है क्योंकि वे आम लोगों की आवाज़ों, ज़रूरतों और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

1. संवाद और संचार को बढ़ावा देना

नागरिक समाज की सबसे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक संघर्षरत समूहों के बीच संवाद को सुगम बनाना है। नागरिक समाज संगठन तटस्थ मंच बनाते हैं जहाँ व्यक्ति और समुदाय खुली चर्चा में शामिल हो सकते हैं, अपनी शिकायतें व्यक्त कर सकते हैं और विविध दृष्टिकोणों को समझ सकते हैं। ये संवाद गलतफहमियों को कम करते हैं, विश्वास का निर्माण करते हैं और समझौते को प्रोत्साहित करते हैं—जो दीर्घकालिक शांति के लिए महत्वपूर्ण तत्व हैं।

2. मानवाधिकार और न्याय की वकालत

नागरिक समाज मानवाधिकारों, न्याय और जवाबदेही की सक्रिय रूप से वकालत करता है। वे उल्लंघनों की निगरानी करते हैं, जन जागरूकता बढ़ाते हैं और अधिकारियों पर कानूनों को बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा के लिए दबाव डालते हैं। न्याय और समानता सुनिश्चित करके,

FOR MORE PDF 9485943709

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU MOTHER PUBLICATION - ASSIGNMENTS & GUESS PAPERS & PYQ SOLVED PDF

INDIA'S NUMBER 1 STUDY MATERIAL PROVIDER

यह केवल एक सैंपल पीडीएफ है।

यह केवल Sample PDF है। पूरी Solved Assignment या Guess Paper PDF खरीदने के लिए हमारी वेबसाइट पर जाएँ

या

WhatsApp पर मैसेज करें।

WHATSAPP ONLY: +91 9485943709

WHATSAPP ONLY:: +91 9992290905

1. Solved Assignment Visit -:: https://motherpublication.in/

2. Pyq Solved Guess paper Visit:-: https://mothernotes.in/

Mother Publication • IGNOU Study Resources